नईदुनिया

भोपाल, 5 सितंबर 2026

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी-2.0 का वॉल वर्जन लोकार्पित, मुख्यमंत्री को भेंट की रिस्ट वॉच

घड़ी में 21 लाख वर्ष पहले एवं आगामी 5 लाख वर्षों तक की कालगणना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी-2.0 के वॉल वर्जन का लोकार्पण किया। इसमें लगभग 21 लाख वर्ष पूर्व तक की पंचांगीय गणनाओं का अध्ययन करने तथा आगामी लगभग 5 लाख वर्षों तक की कालगणना देखने की सुविधा विकसित की गई है। विगत दिनों काशी विश्वनाथ मंदिर में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के अवलोकन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विक्रमादित्य

वैदिक घड़ी और अधिक परिष्कृत करने तथा प्राचीन काल की गणनाओं को इसमें समाहित करने का सुझाव दिया गया था। इसी क्रम में यह घड़ी-2.0 विकसित की गई है। इस अवसर पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी एवं वैदिक क्लॉक रिस्ट वॉच के अन्वेषणकर्ता मयंक पाटीदार ने मुख्यमंत्री को वैदिक रिस्ट वॉच भेंट की।

श्रीराम तिवारी ने बताया कि विक्रमादित्य वैदिक घड़ी-2.0 भारतीय वैदिक कालगणना, पंचांग, ज्योतिषीय गणित और खगोलीय घटनाओं को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने का उन्नत प्रयास है। इसमें लगभग 19 प्रमुख वैदिक एवं पंचांगीय तत्वों को समाहित किया गया है। घड़ी में वैदिक समय के साथ मुहूर्त, कला, काष्ठा, सूर्योदय, सूर्यास्त, चंद्रोदय, चंद्रास्त, सूर्य राशि, चंद्र राशि, तिथि, पक्ष, हिंदू मास, नक्षत्र, योग, करण, चौघड़िया तथा प्रमुख हिंदू त्योहार और व्रत की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। वृद्धि तिथि, अधिक मास और क्षय मास जैसी जटिल पंचांगीय गणनाओं को भी इसमें शामिल किया गया है।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी-2.0 को अब वॉल क्लॉक के साथ-साथ आधुनिक स्मार्ट रिस्ट वॉच के रूप में भी विकसित किया गया है। रिस्ट वॉच में स्थान, अक्षांश और देशांतर के आधार पर वैदिक समय तथा पंचांग संबंधी जानकारियाँ उपलब्ध होती हैं। इसमें एक विशेष एनर्जी फीचर भी जोड़ा गया है, जिसमें शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आत्मिक और कार्मिक ऊर्जा के विश्लेषण का मॉडल शामिल है। यह मॉडल जन्म तिथि, जन्म समय और जन्म स्थान तथा संबंधित ज्योतिषीय गणनाओं के आधार पर दैनिक परिवर्तन का आकलन प्रस्तुत करता है। वैदिक घड़ी-2.0 भारतीय ज्ञान परंपरा, खगोलीय गणित और आधुनिक डिजिटल के समन्वय का अभिनव प्रयास है। इसका उद्देश्य प्राचीन भारतीय कालगणना को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए विरासत से विकास की संकल्पना को साकार करना है।

शिक्षक दिवस पर प्रदेश के 33 उत्कृष्ट शिक्षकों को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शिक्षक दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार 33 उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित करेगी। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 5 सितम्बर को आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल मुख्य अतिथि होंगे, जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह सहित अन्य मंत्री विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चयनित शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और 25 हजार रुपये की सम्मान राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय कार्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है। समारोह में वर्ष 2025 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित मध्यप्रदेश के दो शिक्षकों का भी विशेष सम्मान किया जाएगा। राष्ट्रपति से सम्मानित शिक्षिका शीला पटले और शिक्षक भेरूलाल औसारा को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र तथा सम्मान राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।राज्य स्तरीय सम्मान के लिए पूनम मिश्रा, बिहारी लाल प्रजापति, अरुण कुमार भादे, बलराम अहिरवार, मुकेश कुमार शर्मा सहित 33 शिक्षकों का चयन किया गया है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का घर पहुंचकर होगा सम्मान

कायस्थ समाज की संस्था कायस्थम शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके घर पहुंचकर सम्मानित करने की पहल करने जा रही है। संस्था की ओर से 5 सितंबर को प्रतीकात्मक रूप से चयनित पांच सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। कायस्थम के कार्यकारिणी सदस्य संजय खरे के ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने वर्षों तक शिक्षा की अलख जगाई और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्था के पदाधिकारी चयनित शिक्षकों के घर पहुंचकर उन्हें श्रीफल, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, कलम और साहित्य भेंट कर सम्मानित करेंगे। इस वर्ष सम्मानित होने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों में माधव प्रसाद गौड़, प्रधानाध्यापक डबरा, ओ.के. सक्सेना, मॉडल टीटी नगर मधु सक्सेना, कन्या उमावि गोविंदपुरा, शकुंतला श्रीवास्तव, प्राचार्य कमला नेहरू तथा शैफालिका श्रीवास्तव, केंद्रीय विद्यालय गुना शामिल हैं।

शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री और शिवराज का काफिला रोका

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश में शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने और दूसरी काउंसलिंग की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला रोक दिया। नीलम पार्क के पास भूख हड़ताल पर बैठे वर्ग-1 शिक्षक भर्ती परीक्षा 2023 के अभ्यर्थियों ने केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। अभ्यर्थियों ने कहा कि यह भर्ती उनके समय में शुरू हुई थी, इसलिए उनकी मांगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

वर्ग-1 अभ्यर्थी पिछले 12 दिनों से नीलम पार्क में भूख हड़ताल कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे बीते तीन वर्षों से पद बढ़ाने की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। अभ्यर्थियों के अनुसार उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में 8720 पद स्वीकृत और विज्ञापित किए गए थे, लेकिन पहली काउंसलिंग में केवल 2901 पदों पर ही नियुक्तियां हुईं। उनके अनुसार 5819 पदों पर अब तक काउंसलिंग नहीं हुई है। अभ्यर्थियों ने केंद्रीय मंत्री को दिए ज्ञापन में 10 हजार नए पद जोड़कर दूसरी काउंसलिंग कराने की मांग की है। उनका कहना है कि भर्ती करीब पांच साल बाद निकली थी, जिसके कारण कई उम्मीदवार लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं।

इधर, वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती 2025 के अभ्यर्थियों ने भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का काफिला रोककर पद वृद्धि की मांग उठाई। उन्होंने वर्ग-2 में कम से कम 10 हजार और वर्ग-3 में 25 हजार पद बढ़ाने की मांग की। अभ्यर्थियों ने विषय शिक्षक, खेल, संगीत, नृत्य, गायन और वादन सहित सभी विषयों में अतिरिक्त पद स्वीकृत करने की मांग रखी है। उन्होंने स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग में रिक्त पदों का हवाला देते हुए मौजूदा भर्ती में अधिक पद शामिल करने की मांग की है। अभ्यर्थियों ने बजट सत्र में स्वीकृत 15 हजार शिक्षक पदों को वर्तमान भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने की मांग भी की है। उनका कहना है कि इससे नई भर्ती प्रक्रिया और परीक्षा में लगने वाले समय व खर्च की बचत होगी।

कुशल संगठक और रणनीतिकार थे कुशाभाऊ ठाकरेः डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे उच्च कोटि के रणनीतिकार और कुशल संगठक थे। उन्होंने समर्पित कार्यकर्ताओं की एक मजबूत पीढ़ी तैयार की और अपने नेतृत्व व मार्गदर्शन से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे की आदमकद प्रतिमा और चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। जयंती की स्मृति में उन्होंने परिसर में आंवले का पौधा भी लगाया। मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे जानापाव जा रहे हैं, जहां धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को प्रमुख तीर्थ के रूप में विकसित करने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में देवस्थानों के विकास से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिली है। श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद उज्जैन सहित प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सरकार अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों का भी विकास कर रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ें और क्षेत्रों का समग्र विकास हो सके।

उन्होंने भोपाल से जुड़े विषयों पर कहा कि सरकार सभी पक्षों को गंभीरता से देख रही है और व्यापारियों व स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखेगी।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com